





## सार समाचार

## मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

छतरपुर, देशबन्धु। नौगांव एसडीओपी और अलीपुरा थाना प्रभारी के साथ राजस्व निरीक्षक ने शनिवार को विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर जनता से संवाद किया। हथ संयुक्त दल अलीपुरा थाना क्षेत्र के संवेदनशील पंचायतिंग बूथ विवाहारी, देवधा, टीला, बड़ागांव और जोरान के मतदान केंद्रों का निरीक्षण करने पहुंचा। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्रों के व्यवस्थाओं का जायजा लेकर ग्राम से संवाद किया गया। उड़ेखनीय है कि आगामी विधानसभा चुनाव को द्वितीय रखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एवं अधिकारी पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में नौगांव एसडीओपी चंचलेश मरकाम, अलीपुरा थाना प्रभारी उप निरीक्षक ढाड़ी शाक्य के साथ राजस्व निरीक्षक ने संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया है।

## 2 स्थाई वारांटों को किया गिरफ्तार



छतरपुर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के गिरफ्तार, ख्याली और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं इनमीं निपानी गुण्डा-बदमाशों के विरुद्ध वैज्ञानिक कार्यवाही हेतु चलाए जा रहे विधायिक कार्यवाही हेतु चलाए जा रहे विधायिक कार्यवाही के तहत इंशायर थाना पुलिस ने दो स्थाई वारांटों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी गुरुदत शेषा ने बताया कि दोनों वारांटी पिछले कीरब 5 वर्ष से फरार चल रहे थे। गत दिवस पुलिस को सूचना मिली कि दोनों वारांटी त्योहार मनाने के लिए अपने घरों पर आए हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने उके खेतों पर उड़े दबोचा लिया। दोनों वारांटी थाना क्षेत्र के ग्राम पाली के रहने वाले हैं और उनको उम्र कमता 30 वर्ष और 20 वर्ष है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी गुरुदत शेषा, प्रधान रक्षक हफीज खान, जगवेंद्र सिंह परिहार, आरक्षक अवधेश मीणा, शिवानी पुरोहित की मुख्य भूमिका रही।

## गांजा तश्करी के 2 आरोपियों को सजा

छतरपुर, देशबन्धु। कीरब 10-10 वर्ष के अंदर अपने घरों पर आए हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने उके खेतों पर उड़े दबोचा लिया। दोनों वारांटी थाना क्षेत्र के ग्राम पाली के रहने वाले हैं और उनको उम्र कमता 30 वर्ष और 20 वर्ष है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी गुरुदत शेषा, प्रधान रक्षक हफीज खान, जगवेंद्र सिंह परिहार, आरक्षक अवधेश मीणा, शिवानी पुरोहित की मुख्य भूमिका रही।

## एडवाइजरी जारी की गई है उसमें लोगों से अपील की गई है कि वे

विधिवत लगाएं अन्यथा उन पर केन्द्रीय मोर्टारान नियम 1989 के अन्तर्गत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसके अलावा वाहन के लगाएं, गति सामान का उत्तरवन करें नियांत्रित गांव से वाहन चलाएं, यातायात नियमों का पालन करें एवं प्रदावाइजरी जारी की गई है, जिसमें सभी आवश्यक नियमों का उल्लेख कर पालन करने की अपील की गई है। इसके साथ ही प्रतिनिदिन प्रमुख चैक-चौरांगों पर चैकिंग लगाई जाएगी और नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही की जाएगी। उहाँने बताया कि वाहन चालक अपने वाहन पर रोशनी की कमी और गंदंगी की बढ़ातरी भी परेशान करने वाली है।

## छतरपुर रेलवे स्टेशन अव्यवस्थाओं की गिरफ्त में

## स्टेशन पर रोशनी की कमी और गंदंगी फैली



छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर के रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्कॉम के माध्यम से विकसित करने की चालांग चल रही है। इस योजना के माध्यम से स्टेशन पर कुछ विकास कार्य भी शुरू हुए हैं लेकिन छतरपुर का यह रेलवे स्टेशन फिलहाल कई समस्याओं से जूझ रहा है।

सबसे बड़ी परेशानी टीटी के अभाव से निर्मित होती है जिसके चलते काइलॉग चैकिंग टिकिट इस स्टेशन से यात्रा करने में उपज रही है। यात्री पुलिस रेलवे स्टेशन पर कुछ विकास कार्यों को किये रखे हैं। यात्री पुलिस नहीं होने के कारण यात्रियों को कमी मुश्ती देने से जूझना पड़ रहा है।

बेशक, छतरपुर रेलवे स्टेशन के कारण जिले में आवागमन की सुविधाएं बेहराह हुई हैं। यहां से ऊजरे वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण लोग आसानी से दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगे हैं लेकिन इस स्टेशन पर स्टाफ नहीं बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण मुसाफिर

अभाव से निर्मित होती है जिसके चलते काइलॉग चैकिंग टिकिट इस स्टेशन से यात्रा कर रहे हैं।

टिकिट लेने वालों को ही कड़ी वार उनकी सीट नहीं मिलती। पर्याप्त पुलिस बल न होने के कारण चौरा और लूट की वारदाते भी पिछले कुछ महीनों में बढ़ी हैं। इनमें ही नहीं स्टेशन पर पर्याप्त टिकिट विंडों होने देखा जाता है जिनके रूप से क्षमता का स्थान निर्धारित नहीं होने देखा जाता है। स्टेशन पर रोशनी की कमी और गंदंगी की बढ़ातरी भी परेशान करने वाली है।

## अब साढ़े तीन करोड़ से शुरू हुए विकास कार्य

अमृत भारत योजना के माध्यम से इस स्टेशन के विकास कार्य भी शुरू हुए हैं लेकिन छतरपुर का यह रेलवे स्टेशन फिलहाल कई समस्याओं से जूझ रहा है। सबसे बड़ी परेशानी टीटी के माध्यम से स्टेशन के विकास कार्य भी शुरू हुए हैं। इसके साथ ही रेलवे से साढ़े तीन करोड़ रुपए के माध्यम से कुछ बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने का काम भी शुरू किया जाएगा। बरुआसागर की एक टेकेडारी कंपनी इस बजट से यहां पार्क, प्लॉटफार्म, पार्किंग, परिसर की सड़कों का चौड़ाइकरण और महाराजा छतरपुर की प्रसिद्ध कार्यवाही की निर्माण कर रही है। यह कार्य तीन से चल रहा है जो आगे वर्ष मई-जून तक पूरा हो सकता है। इसके अलावा अमृत भारत स्कॉम के माध्यम से अक्टूबर नवंबर तक तक यहां तक की उमीद है।

## जर्जर किहिन शेड से हादसे का अंदेशा



## बीआरसी बोले निर्माण के लिए जिला पंचायत को प्रस्ताव भेज दिया है

नौगांव, देशबन्धु। नौगांव जनपद शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक शाला मडरका का किनचन शेड चलते यह शेड कभी भी धराया जाता है, जिसके चलते यह शेड कभी भी धराया जाता है। इस योजना के माध्यम से स्टेशन के विकास कार्यों को बढ़ाने के लिए अवधिकारी जिले वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण लोग आसानी से दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगे हैं लेकिन इस स्टेशन पर स्टाफ नहीं बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण मुसाफिर

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में किनचन शेड की हालत दर्शायी है। कई प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में तो किनचन शेड ही नहीं है जैसे जिसके चलते यह शेड कभी भी धराया जाता है। इस मामले का अवधिकारी जिले वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण लोग आसानी से दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगे हैं लेकिन इस स्टेशन पर स्टाफ नहीं बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण मुसाफिर

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में किनचन शेड की हालत दर्शायी है। कई प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में तो किनचन शेड ही नहीं है जैसे जिसके चलते यह शेड कभी भी धराया जाता है। इस मामले का अवधिकारी जिले वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण लोग आसानी से दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगे हैं लेकिन इस स्टेशन पर स्टाफ नहीं बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण मुसाफिर

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में किनचन शेड की हालत दर्शायी है। कई प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में तो किनचन शेड ही नहीं है जैसे जिसके चलते यह शेड कभी भी धराया जाता है। इस मामले का अवधिकारी जिले वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण लोग आसानी से दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगे हैं लेकिन इस स्टेशन पर स्टाफ नहीं बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण मुसाफिर

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में किनचन शेड की हालत दर्शायी है। कई प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में तो किनचन शेड ही नहीं है जैसे जिसके चलते यह शेड कभी भी धराया जाता है। इस मामले का अवधिकारी जिले वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण लोग आसानी से दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगे हैं लेकिन इस स्टेशन पर स्टाफ नहीं बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण मुसाफिर

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में किनचन शेड की हालत दर्शायी है। कई प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में तो किनचन शेड ही नहीं है जैसे जिसके चलते यह शेड कभी भी धराया जाता है। इस मामले का अवधिकारी जिले वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण लोग आसानी से दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगे हैं लेकिन इस स्टेशन पर स्टाफ नहीं बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण मुसाफिर

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में किनचन शेड की हालत दर्शायी है। कई प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में तो किनचन शेड ही नहीं है जैसे जिसके चलते यह शेड कभी भी धराया जाता है। इस मामले का अवधिकारी जिले वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण लोग आसानी से दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगे हैं लेकिन इस स्टेशन पर स्टाफ नहीं बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण मुसाफिर

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में किनचन शेड की हालत दर्शायी है। कई प्राथमिक एवं माध्यमिक स्क

# साहित्य

## ■ गीतांजलि श्री

पड़े बदलते हुए राजन ने रीता से कहा, जो स्मृति घर में रात की खाने के लिए आते समय डॉ. पमनानी को लिपट से बाहर निकलते देखा, बिल्डिंग में शायद कोई भीमार है।

रीता ने हाथ में पकड़ी हुई खाने की चीजें मेज पर रखीं और लेटें नेपकिन से पोंछते हुए कहा, “रीत बीमार है, आज ऑफिस भी नहीं गया।”

खाने का पहला कौर मुँह में डालते हुए राजन के कहा: “आज ऑफिस में मुझसे काम नहीं हो पा रहा था, ऐसा लग रहा था जैसे तबीयत ठीक नहीं है।”

रीता ने राजन की ओर जाँचती हुई ट्रॉपिट से देखा, फिर खाना खाते हुए कहा, “बुधवार की छुट्टी है, आप डॉक्टर के जाँच कराएं।”

“बच्चे क्या कर रहे हैं?”

“पह रहे हैं, टर्मिनल टेस्ट होने वाला है।”

दोनों चुचौपां खाना खा रहे थे। महानगर का कोलाहल धीरे-धीरे कम हो रहा था। रीता ने कहा, “भगवान के पास न्याय नहीं है।”

राजन भीतर-ही-भीतर जैसे चौंक पड़ा। प्रश्नवाचक ट्रॉपिट से पकड़ी की ओर देखने लगा।

रीता ने कहा, “रितिनी किस्त में लिखा हुआ था, पर पति कैसे किस्त में लिखा हुआ था?

रीता ने कहा, “राजन, भगवान ने स्त्रियों का जीवन इतना दुःखमय क्यों बनाया है?

बदलते हुए इस समय में कहा जाता है कि सब कुछ बदला है, पर स्त्री का भाय कहाँ बदला है।

रीता ने कहा, “सुना है, अब तो धन्धे पर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। सारा धन्धा चौपट हो गया है। अब तो पती की तनखाह से ही घर चल रहा है।”

राजन कोई भी उत्तर नहीं सोच सका। वह चुपचाप खाना खाता रहा। दूसरे कमरे से देवी की पुस्तक पढ़ने की आवाज आ रही थी।

बात को आगे बढ़ाते हुए रीता ने कहा, “रित अब अफसर बन गयी है। उसकी तनखाह एक हजार बढ़ गयी है।”

राजन के चेहरे पर कुछ गम्भीरता आ गयी, जैसे कोई खास खबर सुनी हो।

“बेचारी रित, कौन लज्जा उठाए उत्तर नहीं दिया।

राजन का मन कुछ देर तक अपने भीतर कुछ टॉलेटा रहा। फिर एकाएक वह चौंक

पड़ा। कई दूश्य उसकी आँखों के सामने चलचित्र की तरह झूमने लगे।

रोज सुबह उठने में देर हो जाने के कारण पहला विचार जो राजन के मन में आता है, वह यह कि उसकी रोज वाली बस कहाँ छूट न जाए। वह हर काम जल्दी-जल्दी करता है। बार-बार घंटी देखता है।

जल्दीजी में नाशा भी पूरा नहीं करता है। कई बार पेन मेज पर छूट जाता है। बेल्ट भी लिपट में उतरते-उतरते बाँधता है। गारंट पर उसके पैर चलते नहीं, दौड़ते हैं। उसे अपनी ही फूटों पर आश्चर्य होता है। बस स्टॉप पर पहुँचकर रित को बहाँ लाइन में खड़े देखकर उसे राहत-सी होती है। रित का कातर में होना इस बात का संकेत है कि उसकी बस अभी नहीं आयी है। वह कुछ धीमे चलने लगता है। सोचता है कि चिना करना, अपने आप को रोंदाना, उसकी अदात बन गई है। फालतू बातें और भ्रम मन में पालना उसकी स्वभाव का हिस्सा बन गये हैं। वह बस के बारे में ऐसे सोचता है, जैसे वह बस स्टैंड उसकी जिन्दगी की दौड़ की मंजिल हो।

रीता ने कहा, “राजन, भगवान ने स्त्रियों का जीवन इतना दुःखमय क्यों बनाया है? बदलते हुए इस समय में कहा जाता है कि सब कुछ बदला है, पर स्त्री का भाय कहाँ बदला है?

रीता ने कहा, “सुना है, अब तो धन्धे पर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। सारा धन्धा चौपट हो गया है। अब तो पती की तनखाह से ही घर चल रहा है।”

राजन ने सूखे स्वर में कहा, “यह धन्धा भी तो रित के पिता ने ही शुरू करवा कर दिया था।”

रीता ने उसांस भरत हुए कहा, “माँ-बाप-बेटी के लिए सौ आशाएँ रखें, हजार कोशिशें करें, पर किस्मत भी साथ दे, तब न।”

राजन को दफ्तर में बिताया दिन याद आया। रीता से बोला, “मैं आज स्वयं का थक-थक अनुभव कर रहा हूँ। ऑफिस में काम करने में मन नहीं लग रहा था।”

“सोफे पर आराम से बैठकर रात तक रह रहा है। देखिए, पर आवाज कम रखिएगा। बच्चों की पढ़ाई में डिस्टर्ब होगा। मैं जरा रित को देख आऊं।”

राजन सोंके पर बैठकर रात तक रहे। वो देखने लगा। चित्रहार चल रहा था फिल्मी गीतों पर नायक-नायिका नाचते-कूदते चबूतर लगा रहे हैं। मैं बच्चों को सुलाकर अपना विस्तर ठीक कर रही हूँ। आप एस्प्रीन की गोली खाकर

“देखें में मजा नहीं आया।”

“आप आज कुछ थक-थक कर रहे हैं। उसे जीवन में अजब रंगी है उस दिलदार की राखी

की राखी है अब तो हर कहाँ आती है और थक-थक करता है।

चली आती है अब तो हर कहाँ आती है जो राखी

सुनहरी सब्ज़े रेशम जर्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी

सलोनी में अजब रंगी है उस दिलदार की राखी

न पहुँचे एक गुल को यार जिस गुलजार की राखी

अंगी है अब तो राखी भी चम्प भी गुल भी शबनम भी

उठाना हाथ ध्यारे वाह-वा टुक देख लें हम भी तुम्हारी मानियों की ओर जरी के तार की राखी

कहाँ नाजुक ये पहुँचे और कहाँ ये रंग मिलते हैं चमन में साख़ पर कब इस तरह के फूल खिलते हैं

जो कुछ खबी में है उस शोख-ए-गुल-रुख्सार की राखी फिरें हैं राखियाँ बाँधे जो हर दम हुन्न के तारे

तो उन की राखियों को देख ऐ जाँ चाव के मारे पहन जुनार और कश्का लगा माथे उपर बारे

‘नजीर’ आया है बामन बन के राखी बाँधें प्यारे बंधा लो उस से तुम हँस कर अब इस न्यौहर की राखी

चली आती है अब तो हर

कहाँ बाजार की राखी

सुनहरी सब्ज़े रेशम जर्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी

सलोनी में अजब रंगी है उस दिलदार की राखी

न पहुँचे एक गुल को यार जिस गुलजार की राखी

अंदर आती है अब तो हर कहाँ आती है जो राखी

सुनहरी सब्ज़े रेशम जर्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी

सलोनी में अजब रंगी है उस दिलदार की राखी

न पहुँचे एक गुल को यार जिस गुलजार की राखी

अंदर आती है अब तो हर कहाँ आती है जो राखी

सुनहरी सब्ज़े रेशम जर्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी

सलोनी में अजब रंगी है उस दिलदार की राखी

न पहुँचे एक गुल को यार जिस गुलजार की राखी

अंदर आती है अब तो हर कहाँ आती है जो राखी

सुनहरी सब्ज़े रेशम जर्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी

सलोनी में अजब रंगी है उस दिलदार की राखी

न पहुँचे एक गुल को यार जिस गुलजार की राखी

अंदर आती है अब तो हर कहाँ आती है जो राखी

सुनहरी सब्ज़े रेशम जर्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी

सलोनी में अजब रंगी है उस दिलदार की राखी

न पहुँचे एक गुल को यार जिस गुलजार की राखी

अंदर आती है अब तो हर कहाँ आती है जो राखी

सुनहरी सब्ज़े रेशम जर्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी

सलोनी में अजब रंगी है उस दिलदार की राखी

न पहुँचे एक गुल को यार जिस गुलजार की राखी

अंदर आती है अब तो हर कहाँ आती है जो राखी

सुनहरी सब्ज़े रेशम जर्द और गुलनार की राखी

बनी है गो कि नादिर खूब हर सरदार की राखी









# स्नेह की डोर हुई और मज़बूत



नरेन्द्र मोदी  
प्रधानमंत्री



**रक्खाबंधन का त्यौहार  
भैया रिकराज सिंह चौहान  
के साथ**

27 अगस्त, 2023 | दोपहर 12:00 बजे  
जम्बूरी मैदान, भोपाल

**1.25** करोड़ लाडली बहनों को  
आत्मनिर्भर और स्वावलंबी जीवन का उपहार

हर महीने मिल रहे  
**₹1000**  
बढ़कर मिलेंगे  
**₹3000**



सभी नागरिकों से अनुरोध है कि स्वच्छता के इस महाअभियान में दिये गए QR कोड के माध्यम से अपने शहर को अपना बहुमूल्य फीडबैक प्रदान करें और मध्यप्रदेश को नंबर-1 बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

अंतिम तिथि - 31 अगस्त 2023



QR code

सीधा  
प्रसारण

[Webcast.gov.in/mp/cmevents](http://Webcast.gov.in/mp/cmevents) DDMP

@Cmmpadhyapradesh @jansampark.madhya pradesh

@jansamparkMP

JansamparkMP

